गिलहरी का कोट

वाह गिलहरी क्या कहने,
धारीदार कोट पहने ।

पूँछ बड़ी-सी झबूरीली,
काली, पीली, मटमैली ।

छोटी-छोटी आँखें तेरी,
कान हैं तेरे खड़े-खड़े ।

दौड़ी-दौड़ी फिरती हो,
नहीं फिसलकर गिरती हो ।

2020/6/11 09:55

मच्छर का मल्हार

सूँड उठा कर हाथी बैठा,
पक्का गाना गाने ।
मच्छर एक घुस गया कान में,
लगा कान खुजलाने ।

फट-फट, फट-फट तबले जैसा,
हाथी कान बजाए ।
बड़े मौज से भीतर बैठा,
मच्छर गाना गाता ।

मामा मत कहना मुझसे,
बन्दर बोला भेड़ से ।
अगर चिढ़ाया मुझे दोबारा,
कूद पड़ूंगा पेड़ से ।

ताला चाबी निकले साथ,
सूई धागे से करते बात ।

पहुँचे सब एक मेले में,
खो गये सब एक रेले में ।

ताला पूछे चाबी कहाँ,
धागा रोये सूई कहाँ ।